

प्रेषक,

आलोक कुमार जैन,
प्रमुख सचिव, वित्त,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

समस्त विभागाध्यक्ष/कार्यालयाध्यक्ष,
उत्तराखण्ड शासन।

वित्त(वे0आ0-सा0नि0)अनु0-7

देहरादून:दिनांक:25अप्रैल,2008

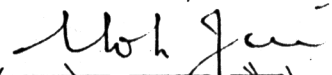
विषय:-वर्ष 1986 के पूर्व तथा बाद के पेंशनरों/पारिवारिक पेंशनरों की पेंशन/पारिवारिक पेंशन के संशोधन के लिए आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया जाना।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक कार्यालय ज्ञाप संख्या-3-1062/दस-308/97, दिनांक 24-8-98 में दिनांक 01-01-86 के पूर्व के पेंशनरों की पेंशन/पारिवारिक पेंशन के पुनरीक्षण हेतु आवेदन-पत्र देने के लिए 180 दिन की निर्धारित समय-सीमा समाप्त होने के बाद उत्तर प्रदेश राज्य में समय-समय पर सीमा बढ़ाये जाने हेतु शासनादेश जारी हुए है किन्तु राज्य गठन की तिथि दिनांक 9नवम्बर,2000 से कोई समयावधि इसके लिये नहीं बढ़ायी गयी है।

2.इस संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि प्रदेश के विभिन्न पेंशनर्स संघ एवं पेंशनर/पारिवारिक पेंशनर यह मांग कर रहे हैं कि चूंकि प्रदेश के अन्दर एवं प्रदेश के बाहर निवास कर रहे अनेक पेंशनरों को इस सुविधा की जानकारी न होने के कारण वे अपने आवेदन-पत्र प्रस्तुत नहीं कर सके हैं अतः आवेदन-पत्र देने की समय-सीमा और बढ़ा दी जाय। पेंशन संशोधन पेंशनर्स का इनटाइटलमेन्ट है। अतः सम्यक विचारोपरान्त शासन द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि जो पेंशनर/पारिवारिक पेंशनर दिनांक 01-01-1986 या दिनांक 01-01-1996 से मानक के अनुसार पेंशन/पारिवारिक पेंशन संशोधन हेतु आवेदन-पत्र प्रस्तुत नहीं कर सके थे या वेतन आयोग/समिति/शासनादेश के अनुरूप किसी कारण पेंशन पुनरीक्षित नहीं हो पायी थी, वह आवेदन पत्र/अभिलेख प्रस्तुत कर नियमानुसार पेंशन पुनरीक्षित करा सकते हैं।

भवदीय,


(आलोक कुमार जैन)
प्रमुख सचिव वित्त।

संख्या: 152 (1)/xxvii(7)/2008 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. समस्त कोषाधिकारी/वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
3. प्रदेश महासचिव, सेवानिवृत्त राजकीय पेंशनर्स संगठन कार्यालय-6, प्रीत विहार, निरंजनपुर, पो0आ0-माजरा, देहरादून, उत्तराखण्ड।
4. निदेशक, एन0आई0सी0 उत्तराखण्ड राज्य एकक।
5. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(टी0एन0 सिंह)

अपर सचिव।